अध्याय 5: संगतकार

विषय-सूची 2 प्रश्नावली · 8 प्रश्न

प्रश्नावली 5.1	प्रश्न-अभ्यास	7 प्रश्न
प्रश्नावली 5.2	रचना और अभिव्यक्ति	1 प्रश्न

प्रश्नावली 5.1 — प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1

संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?

हल

कवि मंगलेश डबराल ने 'संगतकार' कविता में उन व्यक्तियों की ओर संकेत किया है जो किसी भी क्षेत्र में पर्दे के पीछे रहकर काम करते हैं — जो मुख्य व्यक्ति की सफलता में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं, लेकिन स्वयं प्रसिद्धि की चाह नहीं रखते।

ये वे सहयोगी होते हैं जो नायक की कमज़ोरियों को छुपाते हैं, उसे समय पर सहारा देते हैं और उसके मार्ग को सुगम बनाते हैं।

कवि के अनुसार ऐसे व्यक्ति प्रतिभावान होते हैं, लेकिन अपनी प्रतिभा का उपयोग मुख्य व्यक्ति की सेवा में करते हैं। उनका सामने न आना कमज़ोरी नहीं, बल्कि उनकी मानवीयता है।

कवि ऐसे लोगों की ओर संकेत करता है जो समाज, परिवार, कला, साहित्य — हर क्षेत्र में अपने योगदान के बावजूद अनाम रहते हैं।

उत्तर: कवि उन विनम्र सहयोगियों की ओर संकेत करता है जो मुख्य व्यक्ति की सफलता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर स्वयं को सामने नहीं लाते — और यही उनकी मनुष्यता है।

प्रश्न 2

संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं?

हल

संगतकार जैसे सहयोगी व्यक्ति केवल संगीत तक ही सीमित नहीं हैं, वे जीवन के अनेक क्षेत्रों में मिलते हैं —

साहित्य में: एक लेखक के पीछे उसके सहयोगी, संपादक, प्रूफ-रीडर और प्रकाशक होते हैं जो उसकी कृति को परिष्कृत करते हैं।

खेल में: क्रिकेट टीम में मुख्य बल्लेबाज या गेंदबाज़ के पीछे उसके सहयोगी खिलाड़ी होते हैं जो जीत में बराबर भागीदार होते हैं।

फ़िल्म में: एक अभिनेता की प्रसिद्धि के पीछे निर्देशक, कैमरामैन, सहायक कलाकार, मेकअप कलाकार और तकनीकी दल होता है।

राजनीति में: एक नेता की सफलता के पीछे उसके कार्यकर्ता, सलाहकार और अनुयायी होते हैं।

परिवार में: एक सफल व्यक्ति के पीछे उसके माता-पिता, पत्नी/पति का त्याग और सहयोग होता है।
शिक्षा में: एक विद्वान के पीछे उसके गुरु, सहपाठी और परिवार का योगदान रहता है।

उत्तर: संगतकार जैसे सहयोगी साहित्य, खेल, फ़िल्म, राजनीति, परिवार और शिक्षा — सभी क्षेत्रों में मिलते हैं; वे मुख्य व्यक्ति की सफलता की नींव होते हैं।

प्रश्न 3

संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं?

हल

कविता के आधार पर संगतकार निम्नलिखित रूपों में मुख्य गायक की मदद करते हैं —
स्वर का सहारा देना: मुख्य गायक के भारी स्वर के साथ अपनी आवाज़ मिलाकर संगतकार उसे शक्ति प्रदान करता है।
स्थायी को सँभालना: जब मुख्य गायक अंतरे की जटिल तानों के जंगल में खो जाता है, तब संगतकार स्थायी (टेक) को सँभाले रखता है — 'जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान'।
बचपन याद दिलाना: संगतकार का स्वर मुख्य गायक को उसके नौसिखिया दिनों की याद दिलाता है, जिससे वह अपनी मूल राग-लय में लौट सके।
ढाँढ़स बँधाना: जब तारसप्तक में मुख्य गायक का गला बैठने लगता है, उत्साह अस्त होने लगता है — तब संगतकार का स्वर उसे तसल्ली देता है।
अकेलापन दूर करना: संगतकार अपना साथ देकर बताता है कि मुख्य गायक अकेला नहीं है और वह फिर से गा सकता है।

उत्तर: संगतकार स्वर का सहारा देने, स्थायी सँभालने, ढाँढ़स बँधाने और अकेलापन दूर करने के रूप में मुख्य गायक की मदद करता है।

प्रश्न 4

भाव स्पष्ट कीजिए — और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है उसे विफलता नहीं उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

हल

कवि इन पंक्तियों में संगतकार की एक विशेष प्रवृत्ति का उल्लेख करते हैं।
संगतकार जानबूझकर अपनी आवाज़ को मुख्य गायक से ऊँचा नहीं उठाता। उसकी आवाज़ में एक हिचक रहती है — वह अपनी पूरी प्रतिभा और क्षमता को सामने नहीं रखता।
यह हिचक इसलिए नहीं कि वह कम प्रतिभाशाली है। यह उसकी विफलता नहीं है।
बल्कि यह उसकी **मनुष्यता** है — वह सहयोगी की भूमिका को समझता है। वह नहीं चाहता कि उसकी आवाज़ मुख्य गायक को छाए, उसकी प्रसिद्धि में बाधा बने।
संगतकार में यह भावना है कि मुख्य गायक की सफलता में ही उसकी सफलता है। दूसरे की सफलता के लिए अपनी प्रतिभा को पीछे रखना ही सच्ची मानवीयता है।
कवि इस 'हिचक' को नकारात्मक नहीं मानते — इसे वे मानवीय गुण के रूप में देखते हैं।

उत्तर: संगतकार का अपना स्वर ऊँचा न उठाना विफलता नहीं, बल्कि सहयोग और विनम्रता की भावना है — यही उसकी मनुष्यता है।

प्रश्न 5

किसी भी क्षेत्र में प्रसिद्धि पाने वाले लोगों को अनेक लोग तरह-तरह से अपना योगदान देते हैं। कोई एक उदाहरण देकर इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

हल

यह बात बिल्कुल सत्य है कि किसी भी क्षेत्र में सफलता अकेले की नहीं होती — उसके पीछे अनेक लोगों का योगदान होता है।

उदाहरण — क्रिकेट: जब भारतीय क्रिकेट टीम विश्व कप जीतती है, तो सारी प्रसिद्धि मुख्य बल्लेबाज़ या कप्तान को मिलती है। लेकिन उस सफलता में अनेक लोगों का योगदान होता है —

- गेंदबाज़ जो विपक्षी टीम को आउट करते हैं।
- फील्डर जो मुश्किल कैच लेते हैं।
- कोच और सहयोगी स्टाफ जो रात-दिन प्रशिक्षण देते हैं।
- मैदान के बाहर डॉक्टर, ट्रेनर और टीम मैनेजर।

निष्कर्ष: किसी एक व्यक्ति की प्रसिद्धि के पीछे अनेक अज्ञात सहयोगी होते हैं जो अपनी मेहनत और लगन से उस सफलता की नींव रखते हैं। हमें उन सभी का सम्मान करना चाहिए, केवल उस एक व्यक्ति की ही नहीं जो सामने दिखता है।

उत्तर: किसी भी क्षेत्र की सफलता अनेक लोगों के योगदान का परिणाम होती है; क्रिकेट में कप्तान की जीत के पीछे पूरी टीम, कोच और सहयोगी स्टाफ का योगदान होता है।

प्रश्न 6

कभी-कभी तारसप्तक की ऊँचाई पर पहुँचकर मुख्य गायक का स्वर बिखरता नज़र आता है उस समय संगतकार उसे बिखरने से बचा लेता है। इस कथन के आलोक में संगतकार की विशेष भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

हल

तारसप्तक संगीत में सबसे ऊँची स्वर-श्रेणी है। जब मुख्य गायक इस ऊँचाई पर पहुँचता है, तो उसका गला बैठने लगता है, प्रेरणा साथ छोड़ देती है और उत्साह अस्त होने लगता है।

कविता में इसे इस प्रकार व्यक्त किया गया है — 'आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ'। यानी स्वर की चमक जाती है और गायक की आवाज़ कमज़ोर पड़ने लगती है।

ऐसे संकट के क्षण में संगतकार की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाती है —

- संगतकार 'कहीं से चला आता है' — अर्थात् वह उचित समय पर अपना स्वर देता है।
- वह मुख्य गायक को 'ढाँढ़स बँधाता है' — उसे आत्मविश्वास देता है।
- वह स्थायी को सँभाले रखता है ताकि रचना टूटे नहीं।
- वह मुख्य गायक को याद दिलाता है कि 'फिर से गाया जा सकता है गाया जा चुका राग' — यानी वह नई शुरुआत कर सकता है।

संगतकार की यह भूमिका एक सच्चे सहयोगी, शिक्षक और मार्गदर्शक की है — जो संकट में साथ देता है और शिखर पर पहुँचाता है।

उत्तर: तारसप्तक में मुख्य गायक का स्वर बिखरने लगता है तब संगतकार स्थायी सँभालकर, ढाँढ़स बँधाकर और 'फिर से गाया जा सकता है' का विश्वास देकर उसे संकट से बाहर लाता है।

प्रश्न 7

सफलता के चरम शिखर पर पहुँचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाता है तब उसे सहयोगी किस तरह सँभालते हैं?

हल

जब कोई व्यक्ति सफलता के चरम शिखर पर पहुँचने की कोशिश में लड़खड़ाता है, तब सहयोगी कई तरह से उसे सँभालते हैं —

आत्मविश्वास जगाना: सहयोगी उसे याद दिलाते हैं कि वह पहले भी ऐसी परिस्थितियों से गुज़र चुका है और सफल हुआ है।

भावनात्मक सहारा: जब व्यक्ति निराश होता है, सहयोगी उसे ढाँढ़स बँधाते हैं — जैसे संगतकार मुख्य गायक को बताता है कि वह अकेला नहीं है।

मूल लक्ष्य की याद: सहयोगी उसे उसकी शुरुआती भावनाओं और लक्ष्यों की याद दिलाते हैं — जैसे संगतकार मुख्य गायक को उसके नौसिखिया बचपन की याद दिलाता है।

कमी को ढकना: कवि कहते हैं 'जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान' — अर्थात् सहयोगी उसकी कमज़ोरियों और गलतियों को छुपाते हैं।

नई शुरुआत का विश्वास: 'यह कि फिर से गाया जा सकता है गाया जा चुका राग' — सहयोगी यह बताते हैं कि हार नहीं हुई, फिर से कोशिश की जा सकती है।

उत्तर: सहयोगी आत्मविश्वास जगाकर, भावनात्मक सहारा देकर, मूल लक्ष्य की याद दिलाकर और नई शुरुआत का विश्वास देकर लड़खड़ाते व्यक्ति को सँभालते हैं।

प्रश्नावली 5.2 — रचना और अभिव्यक्ति

प्रश्न 10

किसी भी क्षेत्र में संगतकार की पंक्ति वाले लोग प्रतिभावान होते हुए भी मुख्य या शीर्ष स्थान पर क्यों नहीं पहुँच पाते होंगे?

हल

यह एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न है। संगतकार की पंक्ति वाले लोग प्रतिभावान होते हुए भी शीर्ष स्थान तक नहीं पहुँच पाते, इसके कई कारण हो सकते हैं —

अवसर का अभाव: समाज में हर किसी को समान अवसर नहीं मिलते। आर्थिक, सामाजिक या पारिवारिक कारणों से वे आगे नहीं बढ़ पाते।

आत्म-सम्मान और संतोष: कुछ लोग स्वभाव से ही विनम्र होते हैं। वे प्रतिस्पर्धा और प्रसिद्धि की दौड़ में भाग नहीं लेते। उनके लिए सहयोग करना ही संतोषजनक होता है।

मुख्य गायक की छाया: जब कोई बड़ा और प्रसिद्ध व्यक्ति होता है, तो उसके सहयोगी उसकी छाया में ढक जाते हैं। समाज मुख्य व्यक्ति को ही देखता है, सहयोगियों को नहीं।

समर्पण की भावना: संगतकार की पंक्ति के लोग किसी लक्ष्य या आदर्श के प्रति समर्पित होते हैं। वे व्यक्तिगत प्रसिद्धि से अधिक उस लक्ष्य की सफलता को महत्त्व देते हैं।

सामाजिक संरचना: कभी-कभी सामाजिक संरचना और परंपरा ही ऐसी होती है जो कुछ लोगों को पीछे की भूमिका में रखती है।

निष्कर्ष: इन सबके बावजूद ये लोग अपनी भूमिका में अत्यंत महत्त्वपूर्ण होते हैं। कवि चाहते हैं कि हम उनकी इस 'हिचक' को विफलता नहीं, बल्कि मनुष्यता के रूप में देखें।

उत्तर: अवसर का अभाव, विनम्र स्वभाव, मुख्य व्यक्ति की छाया, समर्पण की भावना और सामाजिक संरचना जैसे कारणों से प्रतिभावान सहयोगी शीर्ष पर नहीं पहुँच पाते।